तमिलनाडु और आन्ध्र प्रदेश के समुद्री तूफान पीड़ित व्यक्तियों को केन्द्रीय सहायता

894. **श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा** : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तमिलनाड और आन्ध्र प्रदेश की सरकारों को इन क्षेत्रों में हाल में आये समुद्री-तूफान से पीड़ित व्यक्तियों को पुन: बसाने के लिये केन्द्रीय सरकार ने कितनी राशि मंजूर की है ; और

(ख) इस समस्या के समाधान के लिये यह पुनर्वास कार्यक्रम किस प्रकार क्रियान्वित किया जा रहा है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) सरकार ने तमिलनाडु सरकार को क्षेत्र के समुद्री तुफान से पीड़ित व्यक्तियों को राहत तथा पुनर्वास के लिये 29.31 करोड़ रुपए की अग्रिम प्लान सहायता का आवंटन किया है । सरकार ने नि:शुल्क राहत के लिये 10,000 मीटरी टन चावल तथा 10,000 मीटरी टन गेहूं के नि:शुक अनुदान की भी स्वीकृति दी है ।

सरकार ने आन्ध्र प्रदेश सरकार को भी राहत तथा पुनर्वास के लिये 56.52 करोड़ रुपए की अग्रिम प्लान सहायता का आबंटन किया है । इसके अतिरिक्त सरकार ने नि:शुल्क राहत के लिये 45,000 मीटरी टन चावल तथा 45,000 मीटरी टन गेहूं के नि:शुल्क अनुदान की भी स्वीकृति दी है ।

(ख) भारत सरकार के पास उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार आन्ध्र प्रदेश सरकार 21-1-1978 तक अग्रिम प्लान सहायता में से 7.40 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर चुकी है । तमिलनाडु सरकार द्वारा की गयी प्रगति के बारे में रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है ।

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास

895. **श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा** : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 18 अप्रैल, 1977 के अंग्रेजी के दैनिक 'हिन्दुस्तान टाइम्स" में प्रकाशित लोक नायक श्री जय प्रकाश नारायण के वक्तव्य की ओर दिलाया गया है कि देश में शारीरिक रूप से विकलांग 5 करोड़ लोगों का पुनर्वास किया जाना चाहिए और उन्हें चिकित्सा सुविधाएं तुरन्त दी जानी चाहियें ;

(ख) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) देश में ऐसे स्थानों के नाम क्या हैं जहां पर शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये चिकित्सा केन्द्र खोले जायेंगे और उन में से कितने उत्तर प्रदेश में खोले जाने का प्रस्ताव है ।

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) जी, हां ।

(ख) अनेक कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं परन्तु इस समस्या का आकार और पेचीदगी इतनी अधिक है कि इसे तुरन्त हल नहीं किया जा सकता ।